Dainik Bhaskar (Indore), 24th April 2023, DB Star, Page – 01

एनालिसिस • काउंसिल की मीटिंग के बाद खंगाला देश की 10 आईआईटीज का डेटा

आईआईटी बॉम्बे के 22 फीसदी और दिल्ली के 15% छात्र चार साल में पूरी नहीं कर पाते डिग्री

इंदौर/भोपाल | DB Star

आईआईटी बॉम्बे और दिल्ली में प्रवेश लेने के साथ ही इन दो संस्थानों में समय पर डिग्री पूरी कर पाना भी स्टूडेंट्स के लिए मुश्किल साबित हो रहा है। हाल में हुई आईआईटी काउंसिल की मीटिंग में आईआईटी में बढ़ रहे ड्रॉप आउट व तनाव कम करने पर कई निर्णय लिए गए हैं।

मीटिंग के बाद भास्कर ने 10 आईआईटीज के आंकड़े खंगाले तो सामने आया है कि कई छात्र बैक व ड्रॉप आउट के कारण समय पर डिग्री हासिल नहीं कर पा रहे हैं। इस मामले में भी आईआईटी बॉम्बे और दिल्ली अन्य आईआईटीज से काफी आगे हैं। साल 2018-19 में फर्स्ट ईयर में आने वाले 858 स्टूडेंट्स में से 674 ही चार साल के यूजी प्रोग्राम को समय रहते पूरा कर पाए। यानी, करीब 22 फीसदी छात्र समय पर इंजीनियरिंग पूरी नहीं कर पाए। दरअसल, अधिकांश आईआईटी ने साल 2023 की नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क के आंकड़े अपनी बेबसाइट पर सार्वजनिक कर दिए हैं। इनमें ये तथ्य सामने आए हैं। आईआईटी दिल्ली में 2018-19 में एडमिट होने वाले 790 में से साल 2021-22 तक 685 स्टूडेंट्स इंजीनियरिंग की डिग्री तय समय में पूरी कर पाए। मतलब, करीब 15 प्रतिशत छात्रों को चार साल की डिग्री पूरी करने में तय से अधिक समय लगेगा। यही स्थिति इन आईआईटीज के हर बैच की रहती है।

ये कारण रहते हैं पढ़ाई पूरी नहीं कर पाने के

- सेमेस्टर परीक्षाओं में अच्छा सीजीपी स्कोर नहीं कर पाना।
- आईआईटी कल्चर के अनुसार खुद को नहीं ढाल पाना।
- अंग्रेजी को समझने की क्षमता में कमी रहना।
- प्रैक्टिकल व असाइनमेंट में अच्छा परफॉर्म नहीं करना।
- नियमित क्लासेज अटेंड नहीं करना और डाउट दूर नहीं करना।

12वीं के बाद सीधे IIT का होता है एक्सपोजर

छात्र 12वीं के बाद सीधे ही आईआईटी जैसे बड़े शैक्षणिक संस्थान तक पहुंच जाते हैं। इस समय तक उनमें परिपक्वता नहीं होती। उनकी ग्रूमिंग ही आईआईटी में शुरू होती है। वहीं, आईआईएम में छात्र 3 साल की ग्रेजुएशन के बाद प्रवेश लेते हैं। उस समय तक कॉलेज में ही ग्रूमिंग हो जाती है।

अन्य प्रमुख आईआईटीज की स्थिति

आईआईटी	एडमिट	पास
कानपुर	889	790
मद्रास	414	388
बीएचयू	803	783
मंडी	194	187
रुड़की	861	824
जम्मू	133	128
धनबाद	853	800
इंदौर	264	247

• नोट छात्र संख्या साल 2018-19 से 2021-22 के बैच की है।